ss

AQAR 2019-20

INFORMATION REQUIRED FOR IQAC-AQAR 2019-20

FROM Heads of Departments (HoDs) for Academic Year2019-20

Name of the Department -HINDI

(Give separate information for each subject if Department offers more subjects)

Name of the Subject -Hindi--1)

साहित्य सौरभ- स्वामी रामानंद तीर्थ 1 मराठवाडा विश्वविद्यालय नांदेड की बीए बीकॉम तथा बीएससी प्रथम वर्ष के द्वितीय भाषा हिंदी के लिए साहित्य स्वरूप एवं पुस्तक रखी गई है यह पाठ्यक्रम 2019 से शुरू हो रहा था विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार बने ऐसा यह पाठ्यक्रम हिंदी अध्ययन मंडल ने तैयार किया है जिसमें 100 वर्षों वर्षों के बीच की आधुनिक हिंदी काव्य धारा के प्रतिनिधि कवि यों की प्रतिनिधि की रचनाओं का चयन करना जिनमें विशेषता कविता के आंदोलन प्रतिनिधि कविताओं को समझने का प्रयास किया गया यह परिपूर्ण आधुनिक कविता का संकलन है इससे कुछ महत्वपूर्ण कवि और उनकी कविताएं विद्यार्थियों को बहुत ही अच्छे ढंग से उनकी संवेदनाएं उस समय के वातावरण को उस समय के परिस्थिति को समझने के लिए योग्य होती है प्रत्येक कवि का संक्षिप्त परिचय प्रमुख रचनाएं कविता की भून संवेदना ऐसी कविता की प्रस्तुत की गई है हम कह सकते हैं कि युग विशेष और शैली भाव और कथा की प्रासंगिकता को केंद्र में रखकर कहानियों का चयन किया गया हमारी धारणा है कि यह पुस्तक विद्यार्थियों के न केवल भविष्य बल्कि उनकी संवेदनाएं उनकी विचारधारा को एक नया रूप देती है इसलिए मैं कह सकता हूँ कि अकरम बहुत ही अच्छा है। इतिहास जितना पुराना है कविता का इतिहास भी उतना ही पुराना है दुनियाभर की सभी सभ्यताओं में इतिहास के सभी खंडों में कविता थी और आज भी है कहा जाता है कि वर्तमान समय गद्य का है विज्ञान का है विचारों का है तथा बौद्धिकता का है कविता लगातार अपना दायरा बढ़ाकर गद्य से ले रही है यह सही है कि कविता कि केंद्र में भाव भूत का प्रभुत्व रहा है फिर भी वह चारों और से बौद्धिकता से परहेज नहीं करती.

हिंदी कहानी संकलन-//आधुनिक हिंदी गद्य को भविष्य में पूर्ण रूप से गौरव प्रदान करने में जिन लेखकोंने महत्वपूर्ण योगदान दिया है उन सारे लेखकों को इस संकलन में जगह दी गई है स्वामी रामानंदतीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय नांदेड के अंतर्गत प्रथम वर्ष में कथा - साहित्य की कहानी संकलन ऐच्छिक पेपर के रूप में अधिक विद्यार्थियों के लिए रखी गई है हम सभी भली- भांति जानते हैं कि हिंदी साहित्य के विविध विधाओं में कहानी विधा एक चर्चित और सभी को आकर्षित करनेवाली विधा है कहानी मनुष्य के आंतरिक भावोंको अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है । विद्यार्थियों को एक नई राह मिले इस हेतु 1915 से लेकर आजतक प्रकाशित विविध विषयों और भावों को व्यक्त करती है । इन कहानियों के माध्यम से छात्रों को एक और सबूत के साथ कहानियों की विविधता का परिचय होगा दूसरी ओर कहानियों के माध्यम छात्रों में तथा समाज में जीवन मूल्यों को स्थापित करने में होगी , इसका मुझे पुरा विश्वास है ।

3) मध्य युगीन कविता सबसे पुरानी साहित्य विधा है।मनुष्य की सभ्यता का मनुष्य की निरंतर बदलती स्थितियों को उसके भीतर स्थायी रूप में रहने वाली भाव स्थितियों को प्रतिबिंबित करने की अद्‌भुत क्षमता कविता में देखी गई है । इसलिए कविता चाहे मध्ययुगीन हो या आधुनिक , कविता मनुष्य की क्षमताओं का प्रभावी शब्दांकन है । इन कविताओं से छात्रों में विनम्रता, समन्वयता , निष्पक्षता, समाजाभिमुखता , एवं सहिष्णुता को निर्माण करना यही हमारा उद्देश्य है । कबीर , बहारी, भूषण, रैदास, तथा मीरा के काव्य को पढाकर उनमें जातिव्यवस्थता का निर्मुलन , निर्माण की भावना अंधविश्वास का निर्मुलन तथा भक्ति भावना के महत्व को बता ना है।

4) हिंदीभाषा तथा भाषा शिक्षण.-हिंदी बी.ए. तृतीयवर्ष भाषा की उत्पत्ति मानव सभ्यता की विकास के साथ चाहे तस मोड पर इतना टुटा है कि भाषा मनुष्य के भावनाओ को जगाने का कार्य करती है। भाव तत्व के बिना भाषा की कल्पना नही की जा सकती । यदि हम में कोई भाव और विचार उत्पन्न नही होते है तो मनुष्य क्या व्यक्त करेगा? प्रश्न पत्र इसलिए बनाया गया है कि , भाषा की प्रकृति का एक वाक्य है हम ने अध्ययन की सुविधा के लिए प्रकृति के वाक्य को तोड़कर उसके शब्दो को अलग - अलग कर दिया है संसार में आज भी ऐसे कई भाषाएँ मौजूद है जिन्हें शब्दों में अभीतक तोड़ा नही गया है। कहा जाता है कि मनुष्य ज्ञान विज्ञान और प्रौद्योगिकी में चाहे जितनी प्रगति कर ली हो परंतु यह प्रगति बिना भाषा के अमूर्त बिज और बेकाम है इसलिए भाषा के कारण ही मनुष्य कल से समूह में परिवर्तन हो सकता है भाषा का सामाजिक पक्ष अधिक समृद्ध तथा व्यापक बनाने में आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी का सबसे अधिक महत्वपूर्ण है मनुष्य का अपनी भाषा के साथ-साथ अपने परिवार की तरह का होता है भाषा समाज पर विकसित होती है समाज में जन्म लेती है और समाज में ही है उसका विकास होता है ।भाषा के माध्यम से सामाजिक संरचना का अध्ययन समाज भाषा विज्ञान भी कहलाता है भाषा समाज ,संस्कृति ,धर्म संप्रदाय ,सामाजिक ऊंच-नीचता , वर्ग जाति , आर्थिक संपन्नता , विपन्नता स्त्री पुरुषों की भाषा औपचारिक - अनौपचारिक संबंध , नाते -रिश्ते संबंध , ग्राम - शहर ,महानगर , वनांचल आ जाती है । ba तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को भाषा के प्रश्न पत्र में संक्षिप्त जानकारी के साथ-साथ भाषा के नए-नए रूप स्वरूप और भाषा की परिभाषाएं और उसके सारे स्थितियों को समझाया जाता है ।यह उनके भविष्य के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण होता है। भाषाई वैविध्य वाल भारत देश में हिंदी के महत्व को समझाते हुए उसकी संवैधानिक और वैश्विक स्थिति से अवगत कराना है। हिंदी भाषा के माध्यम से नये रोजार के अवसर व वैश्विकरण के बदलते परिवेश में हिंदी भाषा की उपयोगिता के महत्व को बताना है।

नाटक तथा एकांकी - पेपर क्र.IV -नाटक और एकांकी दृक-श्राव्य माध्यम की अत्यंत प्राचीन विधा है। जिसमे भाव-भावना और विचारों का प्रतिपादन पात्राभिनय द्वारा होता है | इस विधाने कई महत्वपूर्ण ऐतिहासिक लक्ष्य और युगपुरुषों की जीवनीयों को युगानुरूप प्रस्तुत किया है। भारतेंदू तथा उनके समकालीन नाटक कारोंने लोकचेतना के विकास के लिए नाटक और एकांकियों का निर्माण किया। नाटक के प्रति छात्रों में रुचि उत्पन्न करना तथा संवाद लेखन कौशल का विकास करना तथा उनमें रंगमंच और अभिनय के प्रति आकर्षण निर्माण करना है । इसके अध्ययन से छात्रों को सामाजिक समस्या की अभिव्यक्ति को जागृत कराकर रोजगार के अवसर निर्माण कराना है।

निबंध तथा कथेत्तर गद्य-पेपर क्र. - VI.VIII- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल कहते है, " गद्य लेखन का चरम उत्कर्ष निबंध लेखन है ।यदि पद्य की कसोटी गद्य है तो गद्य की कसौटी निबंध है। और सूक्ष्मतम विषयो पर दार्शनिक, बौद्धिक तार्किक और समीक्षात्मक दृष्टी से प्रकाश डालते है तो कथेत्तर गद्य असामान्य व्यक्तित्व की विशेष ताओं के साथ वर्तमान जीवन की अनेक समस्याएं और विविध विमर्शों को पाठक और समाज के सामने प्रस्तुत करता है।

कथेत्तेर गद्य -3-4 रेखाचित्र संस्मरण, आत्मकथा , पत्र और साक्षात्कार के माध्यम से सर्वांगीन व्यक्तित्व विकास की प्रेरणा देना मानवीय समाज की विविध समस्याओं का यथार्थ चित्रण और उसके समाधान की खोज का प्रभावी

माध्यम गद्य है। इसके माध्यम से छात्रों के अंदर निबंध लेखन की प्रेरणा को जगाना और राष्ट्रप्रेम तथा ग्रामविकास की ओर आकर्षित करना है।

हिंदी साहित्य का इतिहास - X , X॥ - हिंदी साहित्य के बृहद इतिहास के परिचय को बताते हुए साहित्य सृजन की पृष्ठभूमि , साहित्य की प्रवृत्ति तथा उसके माध्यम से जीवनमुल्यों एव जीवन दर्शन के साथ भाषाई शिल् के परिवर्तन को समझाना है। उसीके साथ साहित्य के माध्यम से नये जीवन और कलाओ का निर्माण कराना है।

हिंदी विकास कौशल - I - ॥ बदलते युगीन समाज में आज अर्थ महत्वपूर्ण हो गया है, जिसके परिणाम स्वरूप बाजारवाद को बढ़ावा मिला है। छात्रों का कार्य कुशल बनाना वर्तमान समय की माग है । विज्ञान एव औद्योगिक , अभियांत्रिकी , चिकित्सा , विधी तथा प्रबंध में हिंदी भाषा कौशल अत्यधिक मात्रा में दिखाई देता है। हिंदी भाषा कौशल के माध्यम से विश्व में भारत को चुवाराष्ट्र के रुपमे पहचान कराना और छात्रों मे अच्छे वक्ता के गुण तथा रोजगार के अवसर की संभावनाएं निर्माण कराना है।

हिंदी साहित्य का इतिहास -पेपर क्र.-XXII- बदलते परिदृश्य मे आज अर्थ महत्वपूर्ण हो गया है जिसके परिणाम स्वरूप बाजारवाद बढावा मिला है। छात्रो को कार्यकुशल बनाना वर्तमान समय की मांग है। विज्ञान एवं औध्योगिकि, अभियान्तिकी चिकित्सा विधी तथा प्रबंध में हिंदी भाषा कौशल अत्यधिक मात्रा मे दिखाई देता है ।